सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः पुरुषोतम द्विवेदी

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ‘02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, मंगलवार, 30 दिसंबर, 2025

वर्षः 03, अंकः 4, पृष्ठः 8+4

ठंड के कहर से होगी नए साल की शुरुआत

इनसाइड मेधाओं का संस्थान या ‘डेथ पॉइंट’? > Pg03

> Pg 12

घुसपैठियों के मुद्दे पर होगा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव

प. बंगाल चुनाव से पहले सियासत धधकी

मुख्य संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कोलकाता। विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल का सियासी तापमान तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बंगाल दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ममता सरकार और टीएमसी पर तीखा हमला बोला। शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार और भय ने राज्य की पहचान बिगाड़ दी है और केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाएं भी ‘टोल सिंडिकेट’ की भेंट चढ़ गई हैं। उन्होंने कहाकि इस बंगाल का चुनाव घुसपैठियों के मुद्दे पर ही हो। उन्होंने सीधा आरोप लगाया कि ममता सरकार के प्रशासनिक तंत्र ने घुसपैठियों को बंगाल में बसने से नहीं रोका।

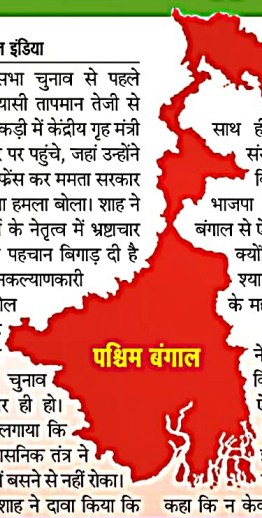

गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि 15 अप्रैल 2026 के बाद बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी और उसके साथ ही ‘बंग गौरव’ और ‘बंग संस्कृति’ को फिर से जीवित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा का संबंध बंगाल से ऐतिहासिक रूप से जुड़ा रहा है क्योंकि पार्टी के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इसी धरती के महान नेता थे।

घुसपैठ के मुद्दे पर गृह मंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर ऐसी मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा ग्रीड तैयार की जाएगी कि इंसान तो दूर, परिंदा भी पर नहीं मार पाए। उन्होंने साफ कहा कि न केवल घुसपैठ को रोका जाएगा बल्कि सभी घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकाला जाएगा।

शाह ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस के ऐतिहासिक योगदान का भी उल्लेख किया और कहा कि 30 दिसंबर भारतीयों के लिए गर्व का दिन है, क्योंकि इसी दिन 1943 में पोर्ट ब्लेयर में पहली बार आजाद भारत का झंडा फहराया गया था।

- बंगाल से जुड़ी बांग्लादेश की सीमा पर सख्त ग्रीड बनाने का ऐलान
- ममता के प्रशासनिक तंत्र ने घुसपैठियों को बंगाल में बसने से नहीं रोका
- अमित शाह का ममता पर बड़ा हमला अब बंगाल में नहीं रह सकेंगे घुसपैठिए

उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में बंगाल के लिए यह समय बेहद अहम है, और जनता भय, भ्रष्टाचार व घुसपैठ की राजनीति से मुक्ति चाहती है। गृहमंत्री का यह भी कहना था कि जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए ममता सरकार ने जमीन नहीं दी। आयुष्मान भारत की राह में भी रोड़ा अँकाया।

लखनऊ में खून से लथपथ मिली नवीं की छात्रा

मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पीजीआई इलाके में सोमवार शाम दिल दहला देने वाला घटनाक्रम सामने आया। बरौली फ्लाईओवर के किनारे 9वीं की छात्रा खून से लथपथ बेसुध हालत में पड़ी मिली। उसके सिर और गले पर गंभीर चोट के निशान थे। पास ही उसकी सहेली और एक दोस्त घायल अवस्था में मिले। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने तीनों को एपेक्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। फिलहाल छात्रा की हालत नाजुक बनी हुई है और वह जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है।

मामले ने नाटकीय मोड़ तब लिया जब छात्रा की मां नीतू सिंह ने बेटी के दोस्तों पर गला रेतकर हत्या की कोशिश के सनसनीखेज आरोप लगा दिए। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि हादसे की कहानी गढ़कर सच्चाई छिपाई जा रही है। शिकायत के आधार पर तीन दोस्तों के खिलाफ हत्या के प्रयास और मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं, पुलिस की शुरुआती जांच

- मां ने दोस्तों पर गला रेतने का आरोप लगाया
- पुलिस ने दर्ज किया हत्या के प्रयास का मुकदमा

अलग तस्वीर पेश कर रही है। इंस्पेक्टर पीजीआई के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज रफ्तार बाइक फ्लाईओवर पर मोड़ लेते समय अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकराई, जिससे छात्रा उछलकर दूर जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उसके साथी सड़क पर गिरकर घायल हुए।

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का निधन

मुख्य संवाददाता/ स्वराज इंडिया

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख खालिदा जिया का शुक्रवार सुबह 6 बजे निधन हो गया। 80 वर्षीय खालिदा पिछले कई दिनों से गंभीर रूप से बीमार थीं और 20 दिन से वेंटिलेटर पर थीं। वह लंबे समय से सीने में संक्रमण, किडनी व लिवर की बीमारी, डायबिटीज, गठिया और आंखों की समस्या से जूझ रही थीं। परिवार और पार्टी नेताओं ने उनके निधन की आधिकारिक पुष्टि की है।

खालिदा जिया ने 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक दो कार्यकालों में प्रधानमंत्री के रूप में बांग्लादेश की सियासत को दिशा दी। वह पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पत्नी थीं। उनका राजनीतिक जीवन संघर्ष, विरोध और विवादों से भरा रहा। 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान उन्हें पाकिस्तानी सेना ने महीनों नजरबंद रखा था। खतरे, हमले और सियासी उठा-पटक के बीच भी उन्होंने अपना राजनीतिक वजूद कायम रखा।भारत के प्रति उनका रुख अक्सर टकराव वाला रहा। प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने भारत को बांग्लादेश की भूमि से ट्रांजिट रूट देने का कड़ा विरोध किया। 1972 की भारत-बांग्लादेश मैत्री संधि को आगे बढ़ाने के भी वह विरोध में रहीं और हमेशा बांग्लादेश की संप्रभुता को सर्वोपरि रखने की बात कहती रहीं।

हाल ही में 17 साल बाद बेटे ने की थी वापसी

बांग्लादेश की सियासत इन दिनों बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। इसी बीच खालिदा जिया के बड़े बेटे और बीएनपी के शीर्ष नेता तारीक रहमान हाल ही में 17 साल बाद बांग्लादेश लौटे हैं। क्रिसमस पर उनकी वापसी को देश में उथल-पुथल भरे राजनीतिक हालात के बीच बेहद अहम माना जा रहा है। जुलाई में हुए हिंसक नागरिक विद्रोह के बाद शेख हसीना सरकार गिर गई और वह देश छोड़कर चली गईं। इसी पृष्ठभूमि में रहमान ने चुनाव अभियान संभालते हुए कहा कि उनके पास देश के लिए स्पष्ट योजना है। माना जा रहा है कि आने वाले चुनाव में बीएनपी की रणनीति, नेतृत्व और भविष्य की राजनीति में उनकी निर्णायक भूमिका होगी।

प्रयाग नारायण मंदिर शिवाला में धूमधाम से मना 165वां श्री बैकुंठ उत्सव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।दक्षिण भारतीय परंपरा के 165 वर्षीय प्राचीन महाराज प्रयाग नारायण मंदिर, शिवाला में पांच दिवसीय श्री बैकुंठ उत्सव का भव्य शुभारंभ श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। उत्सव के प्रथम दिन विशेष वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बैकुंठ द्वार खोला गया, जो श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण रहा।इस अवसर पर भगवान श्री बैकुंठनाथ (लक्ष्मी नारायण) के भव्य स्वर्ण सिंहासन को असंख्य भक्तों ने कंधों पर उठाकर बैकुंठ द्वार से बाहर निकाला। शोभायात्रा में दक्षिण भारत के चार आचार्यों के रजत सिंहासन भी सम्मिलित रहे। मंदिर प्रांगण में स्वर्ण सिंहासन की परिक्रमा कराई गई, जहां भक्तिभाव से वातावरण गूंज उठा।

परंपरा के अनुसार विशेष रूप से निर्मित अंगवस्त्र एवं विशेष पेड़ा प्रसाद का वितरण किया गया। यह महोत्सव जनमानस में फबड़े पेड़ा वाला उत्सवफ के नाम से प्रसिद्ध है। उत्तर भारत में वृंदावन और अयोध्या के अतिरिक्त इस तरह का भक्ति–आस्था का विशिष्ट स्वरूप केवल कानपुर के इसी मंदिर में देखने को मिलता है।

मंदिर प्रशासन ने बताया कि यह बैकुंठ द्वार आगामी पांच दिनों तक श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु खुला रहेगा। उत्सव का आयोजन मंदिर के युवा प्रबंधक अभिनव नारायण तिवारी, अध्यक्ष विजय नारायण तिवारी 'मुकुल' तथा राघव नारायण तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

उत्सव में वृंदावन, नैमिषारण्य, प्रयागराज और अयोध्या सहित विभिन्न तीर्थों से आए अनेक भक्तों और आचार्यों ने सहभागिता की। इस मौके पर अनिल कुमार शर्मा, मनोज तिवारी सेंगर, अमित बाजपेई, प्रदीप दीक्षित, राजीव तिवारी, धर्म प्रकाश गुप्त, महेश मिश्रा, अजय कुमार, राजेश मिश्रा, डॉ. पवन कुमार तिवारी, प्रसिद्ध ध्रुपद संगीतकार विनोद द्विवेदी, उमंग अग्रवाल, बृजेश अवस्थी, करुणेश दीक्षित एवं डॉ. राम दीक्षित सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

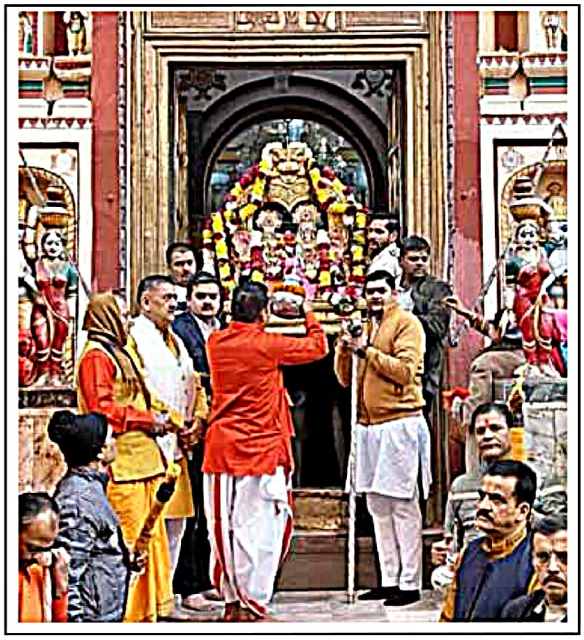

सफल बेरिएट्रिक मेटाबोलिक सर्जरी कर एलएलआर बना यूपी का पहला अस्पताल

» निजी अस्पतालों में 5 से 12 लाख की लागत वाली सर्जरी सरकारी अस्पताल में नि:शुल्क

» मोटापा, डायबिटीज, हाई बीपी और फैटी लिवर से राहत; छह घंटे तक चली सर्जरी सफल

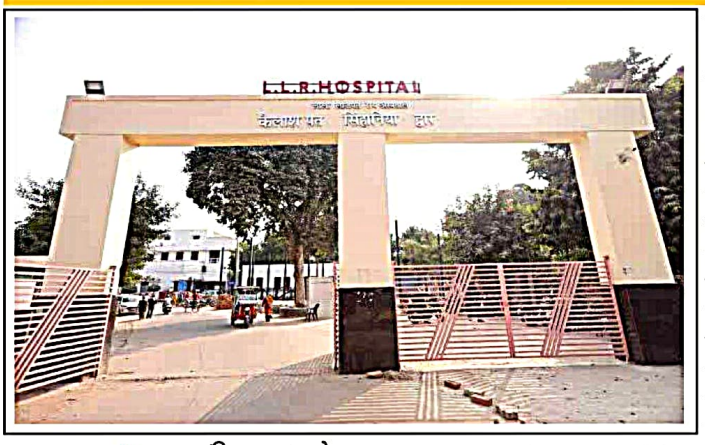

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के एलएलआर अस्पताल में पहली बार बेरिएट्रिक मेटाबोलिक सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। दावा है कि यह यूपी का पहला जिला स्तरीय राजकीय अस्पताल है जहां इस तरह की आधुनिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इस सर्जरी से मरीज को मोटापे के साथ फैटी लिवर, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल, अनियंत्रित डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर से राहत मिलेगी। खास बात यह रही कि जहां निजी अस्पतालों में इस ऑपरेशन पर 5 से 12 लाख रुपये तक खर्च होता है, वहीं एलएलआर अस्पताल में मरीज का इलाज निशुल्क किया गया।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और वरिष्ठ सर्जन प्रो. संजय काला ने बताया कि 54 वर्षीय महिला 45 बीएमआई, 100 किलो से अधिक वजन, हाई बीपी और अनियंत्रित डायबिटीज की समस्या के साथ अस्पताल पहुंची थी। अधिक वजन के कारण महिला को हर्निया और जोड़ों में घिसाव की गंभीर समस्या भी थी। सर्जरी विभाग ने उसे बेरिएट्रिक मेटाबोलिक सर्जरी से नई जिंदगी दी।10 दिसंबर को की गई सर्जरी के बाद मात्र 19 दिनों में ही महिला का ब्लड प्रेशर और डायबिटीज का स्तर आधे से कम हो गया है। लैप्रोस्कोपी पद्धति से स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी विद सिंगल एनास्टोमोसिस डुओडेनो–जेजुनल बाइपास तकनीक से छह घंटे तक चली सर्जरी सफल रही। साथ ही हर्निया का भी उपचार किया गया। अब महिला का घुटना आर्थो विभाग में पीआरपी थेरेपी से ठीक किया जाएगा।

सर्जरी टीम में प्राचार्य प्रो. संजय काला, प्रो. आर.के. जौहरी, डॉ. अभिषेक गोंड, डॉ. आलोक यादव, डॉ. सुमित, डॉ. सुरेश, डॉ. दिशा, डॉ. काफिलुर, डॉ. पल्लवी और डॉ. करण शामिल रहे। विशेषज्ञों के अनुसार यह वजन घटाने की उन्नत सर्जरी है, जो पाचन तंत्र में बदलाव कर भोजन का अवशोषण कम करती है, जिससे मोटापे के साथ कई गंभीर बीमारियों से भी राहत मिलती है।

शिक्षा में नवाचार के लिए राजन लाल को राज्य स्तरीय सम्मान

लखनऊ में किया गया कार्यक्रम का आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बेसिक शिक्षा विभाग एवं नवाचारी शैक्षणिक समूह एडुस्टफ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय शैक्षिक उन्नयन कार्यशाला का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ में संपन्न हुआ जिसमें कानपुर नगर के चौबेपुर ब्लॉक के राज्य सरकार से पुरस्कृत शिक्षक राजन लाल ने पीपीटी के माध्यम से अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया। कार्यशाला में जनपद कानपुर नगर से बेहतर शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षक राजन लाल को मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार सिंह,संयुक्त मंडलीय शिक्षा निदेशक माध्यमिक शिक्षा(उ.प्र.) लखनऊ प्रो.संजय मेधावी प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश एवं शिव शंकर सिंह प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश (प्राथमिक संवर्ग)के द्वारा सम्मानित किया गया। शिक्षक राजन लाल को नवाचारी शैक्षिक प्रयास एवं बच्चों में नैतिक मूल्यों पर किए गए प्रयासों के लिए सम्मान दिया गया।

आईआईटी कानपुर: दो साल में आठ जिंदगी खत्म, कैसे हो रही छात्रों की काउंसिलिंग ?

मेधाओं का संस्थान या 'डेथ पॉइंट'?

मानसिक स्वास्थ्य पर संस्थान के दावों के बावजूद नहीं थम रहीं घटनाएं, पुलिस-प्रशासन जांच में जुटा

शिवांक अग्निहोत्री/स्वराज इंडिया

कानपुर। आईआईटी में पिछले दो वर्षों में आठ छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं ने संस्थान की काउंसिलिंग व्यवस्था, छात्र सहयोग प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोमवार को हॉस्टल में फांसी पर लटके मिले बीटेक छात्र जयसिंह मीणा की मौत के बाद प्रशासन स्तब्ध है। शाम तक जांच समिति का ऐलान नहीं हो सका।

जानकारी के अनुसार जयसिंह की बीटेक डिग्री दो साल से अटकी थी और इस बार भी एक प्रश्नपत्र में बैकलॉग होने के कारण वह प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पाया था। इससे पहले भी दिसंबर 202× से जनवरी 2024 के बीच तीन छात्रों की आत्महत्या के बाद आईआईटी ने काउंसिलिंग टीम बढ़ाने और ओपन हाउस जैसी व्यवस्थाएं शुरू की थीं, फिर भी घटनाएं थम नहीं रही हैं।आईआईटी प्रशासन का दावा है कि 24 घंटे उपलब्ध मनोवैज्ञानिक-मनोचिकित्सक, ऑनलाइन हेल्पलाइन और सहयोग प्रणाली सक्रिय है, वहीं पुलिस और संस्थान प्रशासन छात्र की अकादमिक और मानसिक स्थिति से जुड़े तथ्यों की जांच कर रहे हैं।

जांच और प्रशासनिक प्रतिक्रिया

कल्याणपुर थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच की। अधिकारियों के अनुसार शव लगभग 12 घंटे पुराना है। परिजनों के आने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आत्महत्या के कारण स्पष्ट होंगे। आईआईटी निदेशक प्रोफेसर मनीन्द्र अग्रवाल ने छात्र की असमय मृत्यु पर शोक व्यक्त किया और परिवार के प्रति संवेदना जताई। यह वर्ष 2025 में चौथी मौत है। संस्थान ने छात्र की अकादमिक रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दो साल में इन छात्रों ने दुनिया को कहा अलविदा

25 अगस्त 2025 - सॉफ्टवेयर डेवलपर दीपक चौधरी

01 अक्टूबर 2025 - बीटेक अंतिम वर्ष छात्र धीरज सैनी

29 दिसंबर 2025 - बीटेक छात्र जयसिंह मीणा

19 दिसंबर 2023 - शोध सहायक स्टाफ डॉ. पल्लवी चिल्का

10 जनवरी 2024 - एमटेक छात्र विकास मीणा

18 जनवरी 2024 - पीएचडी छात्रा प्रियंका जायसवाल

10 अक्टूबर 2024 - पीएचडी छात्रा प्रगति

10 फरवरी 2025 - पीएचडी रिसर्च स्कॉलर अंकित यादव

ताज़ा मामला आईआईटी कानपुर में फिर छात्र की आत्महत्या

29 दिसंबर 2025 को बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र जयसिंह मीणा का शव उनके हॉस्टल कक्ष में फंदे से लटका मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बीटेक डिग्री दो वर्ष से अटकी हुई थी और इस वर्ष भी एक बैक पेपर के कारण वह प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पाए थे। अकादमिक दबाव और भविष्य की अनिश्चितता को तनाव का संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। इस घटना ने एक बार फिर आईआईटी की मेंटल सपोर्ट और काउंसिलिंग व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वर्षों बाद केडीए ने 124 आवंटियों को दिए वैकल्पिक भूखंड

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। महावीर नगर विस्तार पार्ट-2 और रामगंगा इन्क्लेव के 124 आवंटियों को आखिरकार राहत मिल गई है। वर्षों से विवादित भूखंडों के कारण प्लॉट कब्जे को तरस रहे आवंटियों को केडीए ने वैकल्पिक भूखंड उपलब्ध करा दिए। केडीए के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से नए प्लॉट आवंटित किए गए।

महावीर नगर विस्तार योजना पार्ट-2 वर्ष 2020 में और रामगंगा इन्क्लेव योजना वर्ष 2016 में शुरू की गई थी।लेकिन विवादित भूखंड होने से आवंटियों को कब्जा नहीं मिल पा रहा था। केडीए के विशेष कार्याधिकारी मीनाक्षी गुप्ता ने बताया कि महावीर नगर विस्तार पार्ट-2 के 877 भूखंडों में से ब्लॉक-ए में 52, ब्लॉक-बी में 2 और ब्लॉक-सी में 48 विवादित भूखंडों का निस्तारण कर संबंधित आवंटियों को वैकल्पिक प्लॉट दे दिए गए। वहीं रामगंगा इन्क्लेव योजना के 22 विवादित ईडब्ल्यूएस भूखंड भी लॉटरी के माध्यम से पुनः आवंटित कर दिए गए।इस प्रक्रिया के बाद लंबे समय से परेशान आवंटियों ने राहत की सांस ली है। अब उनके सामने कब्जा मिलने के बाद निर्माण और बसने का रास्ता साफ हो गया है।

⇨महावीर नगर विस्तार पार्ट-2 और रामगंगा इन्क्लेव के विवादित प्लॉट्स पर लगी रोक, लॉटरी से नए प्लॉट आवंटित

200 रुपए की उधारी पर दोस्त की बेरहमी से हत्यारोपी, 9 घंटे में हत्यारे गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। दोस्ती, शराब और उधारी के विवाद ने एक युवा की जान ले ली गई। रमईपुर एचपी पेट्रोल पंप में काम करने वाले राहुल की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसके दोस्त कामता शर्मा और भतीजे मोहित को गिरफ्तार किया है। कामता ने कबूल किया कि 200 रुपए की उधारी को लेकर विवाद हुआ और गाली-गलौज के बाद उसने राहुल को मारने की ठान ली। रविवार रात दोनों ने राहुल को शराब पीने के बहाने बुलाया, निराला नगर रेलवे ग्राउंड ले गए और पहले बेल्ट से पीटा। जैकेट से मार का असर कम देखते हुए उसे निर्वस्त्र किया गया और दोबारा पिटाई की। इसके बाद ईंट से सिर और चेहरा कुचलकर उसे मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद भी दोनों के चेहरे पर कोई पश्चाताप नहीं दिखा।

सोमवार सुबह नग्न हालत में क्षत-विक्षत शव मिलने से हड़कंप मच गया। राहुल की पहचान उसकी बाइक और जैकेट से हुई। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी के निर्देश पर चार टीमें बनाई गईं और आसपास के सीसीटीवी खंगाले गए। हत्या से पहले राहुल का अपने पिता के ऑयल डिपो पर जाना कैमरे में कैद था, वहीं कामता भी बाइक पर दिख गया। सर्विलांस और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 9 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। घटना स्थल के पास कुत्तों ने शव का चेहरा और शरीर के हिस्सों को बुरी तरह नोच डाला था, जिससे दृश्य बेहद भयावह था।

⇨सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से पुलिस ने खोला राज, शव निर्वस्त्र हालत में मिला कुत्तों ने नोचा चेहरा

लव ट्रायंगल: बाल पकडक़र गिराया, 11 थप्पड़ और लात-घूसे बरसाए, तीसरी लड़की बनाती रही वीडियो

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां एक युवती को दो लड़कियों ने सडक़ पर बेरहमी से पीटा और तीसरी लडक़ी पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाती रही। प्रेम प्रसंग को लेकर हुई इस मारपीट का करीब एक मिनट का वीडियो सामने आया है, जिसमें सफेद कपड़े पहने युवती पीड़िता के बाल पकडक़र उसे जोर से खींचती है, 11 थप्पड़ मारती है और फिर उसके सीने व सिर पर लात-घूंसों से हमला करती है।वीडियो में मारपीट करने वाली लडक़ी बार-बार पीड़िता पर अभिषेक नाम के युवक का नाम लेकर आरोप लगाती दिखती है। वह कहती है अभिषेक को तूने छोड़ा था, अब जब वह मेरा हो गया तो उसे बाबू बोलेगी बोल, उसे बाबू बोलेगी। इस दौरान पीड़ित युवती उसके पैर पकडक़र माफी मांगती रहती है, लेकिन हमला करने वाली युवतियां रुकी नहीं। यह घटना कुछ दिन पहले यशोदा नगर बाईपास की है, जबकि वीडियो अब वायरल हुआ है। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। मारपीट में शामिल लड़कियां बर्रा क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

श्याम जी सखा मंडल संस्था में चरम पर गुटबाजी !

नियमावली के विरुद्ध तथाकथित चुनाव पर पदाधिकारियों में खींचतान, प्रशासन ने यथास्थिति के निर्देश दिए

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।श्याम जी सखा मंडल पंजीकृत, कानपुर में नियमावली के विपरीत कराए जा रहे तथाकथित चुनाव को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मंडल की वैध कार्यकारिणी के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि 22 दिसंबर 2025 को महामंत्री निखिल रूहिया द्वारा अपने निजी कार्यालय में असंवैधानिक ढंग से कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई, जो मंडल की नियमावली के अनुरूप नहीं थी। बैठक में 19 सदस्यों की उपस्थिति दर्शाई गई। बताया गया कि बैठक के दौरान 7 कार्यकारिणी सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की, जिसे 10 सदस्यों ने अस्वीकार कर दिया। इसके बावजूद अगले ही दिन 23 दिसंबर 2025 को बिना बहुमत के कार्यकारिणी भंग करने की घोषणा कर दी गई। वैध पदाधिकारियों का कहना है कि यह घोषणा अनैतिक, असंवैधानिक और नियमावली के प्रतिकूल है।

आरोप है कि 26 दिसंबर की रात्रि मंडल के समूह संदेश मंच के माध्यम से अत्यंत गोपनीय तरीके से 28 दिसंबर को चुनाव कराने की घोषणा कर दी गई। जबकि 26 दिसंबर को फीलखाना थाना प्रभारी निरीक्षक द्वारा राम पांडे और निखिल रूहिया को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि विवाद लंबित रहने तक किसी भी प्रकार की आगे की कार्रवाई न की जाए इसके बावजूद 28 दिसंबर को अग्रसेन स्मृति भवन, मेस्टन रोड में नियमों के विरुद्ध चुनाव प्रक्रिया कराए जाने का प्रयास किया गया। जब मंडल के अध्यक्ष मनीष कुमार शर्मा सहित कई पदाधिकारियों और सदस्यों ने इसका विरोध किया तो वहां हाथापाई की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना पर मूलगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले जाया गया। प्रभारी निरीक्षक मूलगंज द्वारा दोनों पक्षों को समझाते हुए निर्देश दिया गया कि जब तक रजिस्ट्रार कार्यालय से कोई आदेश न मिले, तब तक कोई भी पक्ष कोई कार्रवाई न करे और आगे की प्रक्रिया केवल नियमावली व सक्षम अधिकारियों के समक्ष ही अपनाई जाए।मंडल के वैध सदस्यों का कहना है कि पूरी प्रक्रिया मंडल की गरिमा, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इस मामले में कार्यकारिणी के लगभग 13 सदस्यों ने अध्यक्ष मनीष कुमार शर्मा को तथ्यगत जानकारी दी, जिसके बाद 26 दिसंबर को ही डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय में विधिवत आपत्ति दर्ज करा दी गई।इसके बाद निखिल रूहिया, राम पांडे और उनके सहयोगियों पर मंडल कार्यालय का ताला बदलकर चल संपत्ति पर अवैध कब्जे का प्रयास करने का भी आरोप लगाया गया है। वैध कार्यकारिणी ने प्रशासन और संबंधित प्राधिकरणों से निष्पक्ष हस्तक्षेप व आवश्यक कार्रवाई की मांग की है

कोहरे में फंसे दिव्यांग की मदद को फरिश्ता बनी आगरा पुलिस

» ठंड व घने कोहरे के बीच पेट्रोल खत्म, यूपी-112 ने पहुंचकर दिलाई राहत

» पीआरवी टीम ने तुरंत मुहैया कराया पेट्रोल, सुरक्षित रवाना हुए युवक और उसकी बहन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में यूपी-112 पुलिस ने एक बार फिर मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया है। घने कोहरे और कड़ाके की ठंड के बीच सड़क पर पेट्रोल खत्म होने से फंसे दिव्यांग युवक और उसकी बहन की मदद के लिए पुलिस फरिश्ता बनकर पहुंची और उन्हें सुरक्षित आगे बढ़ने में सहयोग किया।

पुलिस कमिश्नर आगरा दीपक कुमार, आईपीएस के निर्देशन में त्वरित सेवा देने वाली यूपी-112 टीम को 28 दिसंबर की रात सूचना मिली कि आगरा से फिरोजाबाद जा रहा एक युवक अपनी बहन के साथ थाना एत्मादपुर क्षेत्र में फंस गया है। सुनसान इलाके, घने कोहरे और अत्यधिक ठंड के बीच गाड़ी का पेट्रोल खत्म हो जाने से दोनों परेशान हो गए।

युवक ने खुद को एक पैर से दिव्यांग बताते हुए मदद की गुहार लगाई।सूचना मिलते ही पीआरवी-4097 पर तैनात आरक्षी संदेश कुमार और होमगार्ड चालक शैलेन्द्र कुमार ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर न केवल मदद की, बल्कि पास के पेट्रोल पंप से पेट्रोल की व्यवस्था कर बंद पड़ी गाड़ी को चालू कराया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से दोनों सुरक्षित अपने गंतव्य की ओर रवाना हो सके।युवक और उसकी बहन ने आगरा पुलिस का आभार जताते हुए यूपी-112 टीम की सराहना की। इस मानवीय पहल को आगरा पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी साझा किया है।

सम्पादकीय

संगठनात्मक मजबूती से मिलेगी प्राणवायु

निस्संदेह, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को फिलहाल बेहद मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। चुनाव दर चुनाव उसका दायरा लगातार सिमटता ही जा रहा है। वहीं दूसरी ओर चुनावी मोर्चे पर भी कांग्रेस के लिए बीत रहा साल निराशाजनक ही रहा है। कांग्रेस पार्टी को दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त का सामना भी करना पड़ा है। हालांकि, पार्टी ने 'वोट चोरी' मुहिम को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उसके परंपरागत वोट फिर लौटकर नहीं आए। बल्कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों को भी सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिल सका। पार्टी के लिए आने वाला साल एक नई चुनौती लेकर आ रहा है। आने वाले साल में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर शीर्ष नेतृत्व का आत्मविश्वास से भरा रवैया दिखाना स्वाभाविक ही कहा जाएगा। इस आयोजन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 'कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो सदैव हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश व्यक्ति के हितों के लिए खड़ी रही है।' वहीं इस दौरान कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़?गे ने घोषणा की कि 'कांग्रेस एक विचारधारा का नाम है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।' लेकिन वास्तव में एक कड़वी सच्चाई यह है कि पार्टी के अस्तित्व पर संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। पार्टी संगठन में असंतोष की आहटें साफ तौर पर सुनाई दे रही हैं। यह असंतोष किस हद जा पहुंचा है, हालिया घटनाक्रम इसकी पुष्टि करता है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की कुशल संगठनात्मक रणनीति की प्रशंसा और ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचा दी थी। निश्चय ही आम कार्यकर्ता पर इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा होगा।

दरअसल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने जमीनी स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। देखा जाए तो गाहे-बगाहे कांग्रेस संगठन से शीर्ष स्तर पर गहरे तक जुड़े रहे दिग्गज कांग्रेस नेताओं के पार्टी लाइन से हटकर दिए गये बयान पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं।

जब कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह का भाजपा व आरएसएस की संगठनात्मक शक्ति को लेकर चौंकाने वाला बयान सार्वजनिक विमर्श में आया, तो उनके विचारों के प्रति शशि थरूर का संयमित समर्थन करता दृष्टिकोण भी सामने आया, जो यह भी दर्शाता है कि मौजूदा चुनौतियों के बीच कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक शक्ति के पुनर्निर्माण के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं कर सकती। अक्सर कांग्रेस यह दावा भी करती रही है कि इतिहास, मूल्य और विचारधारा उसकी मूल पूंजी हैं। इस पूंजी को चुनावी लाभ में परिवर्तित किया जा सकता है।

नाजुक मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत

गुरूबचन जगत

देश के उत्तर पूर्व में बढ़ते असंतोष को नियंत्रित नहीं किया गया तो यह क्षेत्र में बड़ी अस्थिरता का कारण बन सकता है। इस संवेदनशील क्षेत्र में मौजूदा चुनौती को पहचानकर समाधान करने के लिए तत्पर रहने की जरूरत है।... देश के उत्तर पूर्व में बढ़ते असंतोष को नियंत्रित नहीं किया गया तो यह क्षेत्र में बड़ी अस्थिरता का कारण बन सकता है। इस संवेदनशील क्षेत्र में मौजूदा चुनौती को पहचानकर समाधान करने के लिए तत्पर रहने की जरूरत है। खासकर पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन के गठजोड़ के मंसूबों के मद्देनजर।सदियों से, भारत अनगिनत हमलों का निशाना बनता रहा। यह एक प्राचीन सभ्यता थी, जिसके पास बेशुमार दौलत थी, और मध्य एशिया, ईरान, यूनान आदि के राजा सदा भारत पर हमला करने और उसे लूटने की कोशिश करते रहते थे। गौरी, गजनवी, अब्दाली, मुगल... ये सभी उत्तर-पश्चिम की तरफ से, खैबर दर्रे या ईरान और आज के पाकिस्तान के रास्ते आए। उन्होंने लूटा, अपवित्र किया, नरसंहार किया और कुल मिलाकर उस भूमि को बर्बाद कर दिया जो दौलत से तो भरी थी लेकिन खुद की रक्षा करने में असमर्थ रही।

मुगलों ने एक कदम और आगे बढ़कर यहां पर अपनी जड़ें जमा लीं और सदियों तक राज किया। हालांकि, हमारे दक्षिणी राज्य और साम्राज्य, अपनी दूरी के कारण, इन हमलों को भुगतने से बचे रहे, और वहां लंबे समय तक समुद्र के रास्ते कोई हमला नहीं हुआ। उन्होंने नजदीकी एवं सुदूर पूर्व के देशों के साथ व्यापार किया; उस व्यापार से आखिरकार जो आया, वह था यूरोपीय लोगों के रूप में एक कहीं ज़्यादा घातक हमलावर। पुराने उत्तर-पूर्वी राज्य (अहोम, मैतेई, कचारी, त्रिपुरी, वगैरह) लंबे समय तक निरंतर आपसी संघर्ष और अशांति की स्थिति में थे। अंग्रेजों ने जो वर्गीकरण थोपा उससे यह पुरानी दरारें और ज्यादा चौड़ी हो गईं। इसमें और इजाफा हुआ बर्मा साम्राज्य के साथ युद्ध और संघर्ष से। आज मैं जिस पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा वह है उत्तर-पूर्व,क्योंकि भारतीय उपमहाद्वीप के इस अपेक्षाकृत दूरदराज कोने में एक बेचैनी पनप रही है, जिसे अगर थामा नहीं गया, तो आने वाले समय में यह इस क्षेत्र में बहुत अस्थिरता का स्रोत बन जाएगा। प्रकृति को शून्यता पसंद नहीं है और यह तब और भी ज्यादा लागू है जब बात शक्ति और अधिकार की शून्यता भरने की आए। जो आग आज एक छोटी सी झाड़ी की लग रही है, ऐसे में जब कतिपय 'तत्वों' द्वारा हवा दी जा रही हो, तो कल को वह एक बेकाबू दावानल बन सकती है जिसे बुझाने में भारी संसाधन खपाने पड़ेंगे और यह हमें और कमजोर करेगी। यही वह कमजोरी है जो सदियों से हमलावरों को लाती रही है।आज की तारीख में, दक्षिण अभी भी सुरक्षित है, सिवाय समुद्र के रास्ते होने वाली बड़े पैमाने की तस्करी के। इस समस्या से निपटने के लिए हमारे पास तट रक्षक बल और नौसेना है। उत्तर और उत्तर-पश्चिम में नियंत्रण रेखा के पार से पाकिस्तान और लद्दाख में चीन की लगातार चुनौती बनी हुई है। यहां संघर्ष की सीमाएं पुरानी हैं, और नागरिक तथा हमारे रक्षा बल हमलावरों और घुसपैठियों की परेशान करने वाली लहरों के उतार-चढ़ाव के आदी हैं। मैं ऐसा नहीं कहूंगा कि यह एक तेज़ी से क्रमिक विकास करती चुनौती नहीं है, लेकिन शायद समय के साथ यह अपनी मौजूदगी में स्थिर रही है।

पूर्वोत्तर की बात करें तो, हमें इस मोर्चे पर जिस गंभीर और आसन्न खतरे का सामना करना पड़ सकता है, उसे पहचानना होगा। क्योंकि आज हमारे पास पड़ोसी के तौर पर एक अस्थिर म्यांमार है, साथ ही बांग्लादेश भी है, जो पहले हमारा दोस्त था लेकिन अब हमारे प्रति बहुत ज्यादा बैर पाले हुए है। बांग्लादेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग-थलग करने और चीन की मदद से उग्रवाद को बढ़ावा देने की ज़रूरत के बारे में नियमित बयान दे रहे हैं। पाकिस्तान, चीन की गुप्त मदद से उनके साथ है।

भाजपा के लिए अब चुनौतीपूर्ण होगा बीएमसी चुनाव

ठाकरे पुनर्मिलन

एस के तोमर

अब, जब उद्धव और राज ठाकरे दोनों एकजुटता का संदेश दे रहे हैं, तो भाजपा को एक पुनर्जीवित नैरेटिव का सामना करना पड़ रहा है, जो मराठी पहचान और गौरव को ठाकरे परिवार के पास वापस लाने की कोशिश करता है।उद्धव और राज ठाकरे के पुनर्मिलन का मतलब पारिवारिक विवाद का अंत नहीं है, बल्कि यह राजनीति, चुनावी गणित और संगठनात्मक बदलावों से जुड़ा महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। भाजपा, जो शिवसेना के आंतरिक विभाजन से लाभ उठाकर महाराष्ट्र में अपनी स्थिति मजबूत कर रही थी, अब इस घटनाक्रम से अपनी रणनीति में अनिश्चितता का सामना कर सकती है। इस पुनर्मिलन से भाजपा के लिए चुनावी खेल और जटिल हो सकता है।

'मराठी अस्मिता' की राजनीति की वापसी भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गई है। शिवसेना ने हमेशा मराठी गौरव और हिंदुत्व का मिलाजुला दृष्टिकोण पेश किया। जब राज ठाकरे ने एमएनएस बनाई और उद्धव ने शिवसेना का नेतृत्व किया तो यह एकाधिकार बिखर गया। इस बिखराव का फायदा भाजपा को मिला, जिसने मुंबई और अन्य शहरी इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत की और खुद को एक अनुशासित, राष्ट्रीय पार्टी के रूप में प्रस्तुत किया। अब, जब उद्धव और राज ठाकरे दोनों एकजुटता का संदेश दे रहे हैं, तो भाजपा को एक पुनर्जीवित नैरेटिव का सामना करना पड़ रहा है, जो मराठी पहचान और

गौरव को ठाकरे परिवार के पास वापस लाने की कोशिश करता है। हालांकि, तुरंत वोटों का स्थानांतरण दिखाई न दे, लेकिन यह नैरेटिव भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। भाजपा को उन क्षेत्रों में अपने राजनीतिक आधार को मजबूती से बनाए रखने के लिए भावनात्मक लाभ के लिए संघर्ष करना पड़ेगा, जहां स्थानीय प्रतीक और अस्मिता की राजनीति नीतियों से कहीं ज्यादा प्रभावी होती है।

बीएमसी पर ठाकरे परिवार की मजबूत पकड़ रही है। भाजपा के लिए इसे अपने पक्ष में करना अहम था ताकि वह शिवसेना के जमीनी नेटवर्क को कमजोर कर सके और मुंबई में खुद को स्वाभाविक शासक के रूप में स्थापित कर सके। अब जब ठाकरे खेमे का पुनर्मिलन हो रहा है तो उनका उद्देश्य वोटों का बंटवारा रोकना है, जो पहले भाजपा के फायदे में था। हालांकि, भाजपा के पास मजबूत संगठन और संसाधन हैं, लेकिन अब यह लड़ाई पहले से ज्यादा कठिन हो सकती है। शरद पवार की एनसीपी ने उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की एमएनएस के साथ मिलकर 15 जनवरी को होने वाले बीएमसी चुनावों में भाग लेने का निर्णय लिया है। पवार की योजना कांग्रेस को भी गठबंधन में शामिल करने की है, ताकि कांग्रेस मुंबई में अलग-थलग न पड़े। यदि कांग्रेस जुड़ती है तो गठबंधन की ताकत और नेतृत्व संतुलन बढ़ जाएगा, जो भाजपा के लिए चुनौती होगी। बीएमसी में भाजपा की हार उसकी शहरी राजनीतिक पकड़ को कमजोर कर सत्तारूढ़ गठबंधन में असंतोष बढ़ा सकती है, खासकर एकनाथ शिंदे गुट में।

अगर कांग्रेस उद्धव-एमएनएस गठबंधन से बाहर रहती है तो यह स्थिति बीएमसी चुनाव में बदल सकती है। कांग्रेस के पास मुस्लिम बहुल इलाकों, दक्षिण मुंबई और झुग्गी बस्तियों में असर है। उसके न होने से वोटों का अलग-अलग तरीके से उपयोग हो सकता है, जिससे ठाकरे गठबंधन की एकजुटता कमजोर हो सकती है। हालांकि, एनसीपी के साथ गठबंधन से ताकत बढ़ती दिखती है, लेकिन कांग्रेस के बिना वार्ड-स्तर पर निर्णायक वोट ट्रांसफर रुक सकता है।

मिट्टी खनन के वर्चस्व की जंग में दो पक्ष भिड़े, चली गोली

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

चौबेपुर/बिल्हौर (कानपुर)। अवैध मिट्टी खनन के वर्चस्व की जंग ने सोमवार की शाम चौबेपुर में कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती दे दी। क्षेत्र के एक ढाबे पर युवक की पिटाई और फायरिंग की आवाज के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि पुलिस अभी गोली चलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं कर रही है। चौबेपुर से बिल्हौर तक फैले अवैध मिट्टी खनन के कारोबार को लेकर लंबे समय से दो गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। बताया जा रहा है कि विवाद की शुरुआत रविवार रात रेलवे क्रॉसिंग पर मिट्टी लदे वाहनों को निकालने को लेकर हुई थी। इसी दौरान बंदीमाता तिराहे पर छोटू राठौर के साथ मारपीट की गई थी, जिसे किसी तरह शांत करा दिया गया था।

सोमवार को दिन भर क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। शाम होते-होते हाईवे किनारे स्थित कटियार ढाबे पर दोनों गुट आमने-सामने

पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज

आ गए। पहले कहासुनी हुई, फिर देखते ही देखते मामला हाथापाई में बदल गया। आरोप है कि एक गुट ने दूसरे गुट के खरगपुर निवासी रंजीत उर्फ बालाजी को बेरहमी से पीट दिया।

मारपीट के दौरान अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ढाबे पर मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे। घटना के बाद दोनों गुटों के लोग मौके से फरार हो गए। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर फायरिंग करने का आरोप लगा रहे हैं।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही चौबेपुर पुलिस और एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सभी आरोपी फरार हो चुके थे। पुलिस ने ढाबे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच के लिए दो डीवीआर कब्जे में ले लिए हैं। एसीपी मंजय सिंह ने बताया कि गुटों के बीच मारपीट की पुष्टि हुई है, जबकि फायरिंग के संबंध में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उप निबंधक दफ्तर विवाद खत्म, डीएम ने प्रस्ताव रोका

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (संवाददाता)। बिल्हौर तहसील परिसर में उपनिबंधक कार्यालय भवन के निर्माण को लेकर उठे विवाद का निदान जिला प्रशासन ने कर दिया है। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने सुभानपुर मुरादनगर में प्रस्तावित भवन निर्माण पर तत्काल रोक लगा दी है। इस निर्णय से वकीलों, व्यापारियों और क्षेत्रीय जनता में राहत की लहर दौड़ गई है। मालूम हो कि तहसील में पहले से ही उपनिबंधक कार्यालय का भवन मौजूद है। इसके बावजूद प्रशासन ने पिछले महीने बिल्हौर से लगभग तीन किलोमीटर दूर सुभानपुर मुरादनगर के राजस्व अभिलेखों में दर्ज आबादी की भूमि पर नया भवन बनाने की योजना बनाई थी। इसकी जानकारी मिलते ही बिल्हौर बार एसोसिएशन और द लायर्स एसोसिएशन के वकीलों ने कड़ा विरोध जताया। और एकजुट होकर वकीलों ने कार्यालय दूसरी

वकीलों,जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की आवाज पर प्रशासन ने लिया जनहितकारी निर्णय

जगह शिफ्ट किए जाने के विरोध में कलम बंद हड़ताल कर तहसील परिसर में ही भवन निर्माण की मांग की। वकीलों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के समर्थन में भाजपा के कानपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेंद्र, सांसद अशोक रावत और विधायक राहुल बच्चा, एमएलसी अरुण पाठक ने भी डीएम से पत्राचार कर भवन निर्माण तहसील परिसर में ही कराने की सिफारिश की। डीएम ने इन सुझावों को गंभीरता से लिया और प्रस्तावित निर्माण को रोक दिया। वकील और आम जनता इस निर्णय को जनहित में उठाया गया सकारात्मक कदम मान रहे हैं और जिला प्रशासन की इस संवेदनशील कार्रवाई की सराहना कर रहे हैं।

बिल्हौर-ककवन मार्ग का चौड़ीकरण तय जाम और दुर्घटनाओं से मिलेगी राहत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। लखनऊ-इटावा मार्ग से जुड़ने वाला बिल्हौर-ककवन सड़क खंड अब चौड़ीकरण की दिशा में आगे बढ़ेगा। लंबे समय से संकरी सड़क के कारण इस मार्ग पर यातायात दबाव बना रहता था, जिससे जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति उत्पन्न होती थी। लोक निर्माण विभाग ने परियोजना से जुड़ी प्रशासनिक और तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं तथा ठेके की कार्यवाही भी संपन्न हो चुकी है। विभागीय योजना के अनुसार वर्तमान में लगभग 7 मीटर चौड़ी इस सड़क को बढ़ाकर 10 मीटर किया जाएगा। अतिरिक्त चौड़ाई से वाहनों की आवाजाही सुगम होने के साथ-साथ यातायात सुरक्षा में भी सुधार होने

विधायक और सांसद के प्रयासों के बाद मिली परियोजना को शासन की मंजूरी

की संभावना जताई जा रही है। प्रस्तावित कार्य बिल्हौर से ककवन नहर पुल तक किया जाएगा। इस परियोजना को स्वीकृति दिलाने में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। विधायक राहुल बच्चा सोनकर और मिश्रिख सांसद अशोक रावत के प्रयासों के बाद शासन स्तर पर बजट को मंजूरी मिली। इसके उपरांत लोक निर्माण विभाग द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर कार्यवाही आगे बढ़ाई गई। चौड़ीकरण की सूचना के बाद ककवन कस्बे में संभावित ध्वस्तीकरण को लेकर आशंकाएं भी सामने आई थीं। इस संबंध में विभाग ने स्पष्ट किया है कि घनी आबादी वाले कस्बाई क्षेत्र में फिलहाल किसी प्रकार की तोड़फोड़ नहीं की जाएगी। मौजूदा योजना केवल नहर पुल तक के हिस्से तक सीमित है।उल्लेखनीय है कि कस्बे के भीतर क्षतिग्रस्त सड़क के लगभग दो किलोमीटर हिस्से का मरम्मत कार्य पहले ही कराया जा चुका है, जिससे स्थानीय आवागमन प्रभावित न हो। विभाग का कहना है कि आगे की आवश्यकता के अनुसार अलग से प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।परियोजना के अमल में आने से क्षेत्रीय यातायात व्यवस्था में सुधार और मार्ग से जुड़े व्यापारिक एवं आवागमन गतिविधियों को गति मिलने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

बेसहारा गोवंश को सहारा नहीं दे रहे जिम्मेदार अफसर

मौत की दावत देते नेशनल हाईवे पर घूम रहे बेसहारा गोवंश धरातल पर रियल्टी चेक करने स्वराज इंडिया की टीम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । जिला प्रशासन की लाख प्रयासों के बावजूद सड़क से लेकर गांव से लेकर हाइवे पर आवारा जानवरों के झुंड से राहत मिलने का नाम ही नहीं खत्म हो रहा है। जिले के डीएम कपिल सिंह ने अफसरों के साथ बैठाक कर बेसहारा गोवंशों की अच्छी देखभाल के कड़े निर्देश दिए, लेकिन हालत में सुधार नहीं दिख रहा है। जम्मेदार अफसर डीएम के निर्देश के हवा में उड़ाकर रजाई ओढ़े सो रहे हैं। उधर बेसहारा गोवंश सहारा मिलने की उम्मीद लगाएं हैं। गो संरक्षण के लिये ग्रामीण इलाके की गोशालाओं में इतने इंतजाम नहीं हैं। गौशालाओं के विस्तारीकरण के बाद भी गोवंश संरक्षण में लापरवाही अपनाई जा रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में घूम रहे बेसहारा सांड़ों को नियंत्रित करना मुश्किल हो रहा है। खुलेआम घूम रहे ये सांड सड़क से लेकर खेत खलियान तक आतंक मचाए है। लेकिन जिम्मेदार इन्हें संरक्षित कर पाने में नाकामयाब साबित हो रहे हैं।

पीछे दो साल में बेसहारा गोवंशों के शत-प्रतिशत संरक्षण के लिये शासन की ओर से बार बार ओर लगातार अफसरों के कड़े निर्देश मिल रहे हैं। जिले के डीएम से लगाकर सीडीओ लगातार अफसरों के साथ इस बाबत बैठक भी कर रहे है, लेकिन कुछ फर्क नहीं दिखाई पड़ रहा है। स्वराज इंडिया ने हाल देखा तो चौंकाने वाले सीन दिखे। हर जगह इस भीषण सर्दी में बेसहारा जानवर आसरा ढूढ़ते नजर आए। जिले का जायजा लिया। विकास खंड मलासा के डीग हंसेमऊ गांव के पास नेशनल हाईवे पर बेसहारा गोवंश टहलते नजर आए। जो कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। पहले भी इस तरह की दुर्घटना दो चुकीं हैं। पुखराया नगर पालिका के अंदर, सिकंदरा रूरा सहित अन्य ब्लॉक में अभी भी हजारों बेसहारा जानवरों की भरमार हैं।

अफसर जिला प्रशासन को आकड़े भेज रहे हैं। जिलों में इंतजाम होने के बाद भी गोवंश संरक्षण अभियान चलता रहा लेकिन गो संरक्षण अभियान कागजों में टल रहा है। जिम्मेदार अफसर एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं, जिससे से कोई काम नहीं हो पा रहा है और अबेसहारा गोवंश फसलें नष्ट कर रहे हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में गेहूं की फसलों पर बेसहारा गोवश के झुंड आ जाने से किसान परेशान है। अब देखने की बात ये है कि क्या जिला प्रशासन संज्ञान लेगा। या किसान परेशान रहेंगे।

» सर्दी के मौसम को देखते हुए गौवंश को ठंड से बचाने के लिए समुचित इंतजाम किए गए

अमरौधा ईओ और चेयरमैन के प्रयासों से कान्हा गौशाला की बदली तस्वीर !

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। नगर पंचायत अमरौधा स्थित कान्हा गौशाला में लगातार सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। गौवंश संरक्षण और उनकी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नगर पंचायत द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके चलते गौशाला की तस्वीर अब पहले से कहीं अधिक बेहतर और व्यवस्थित दिखाई दे रही है।सर्दी के मौसम को देखते हुए गौवंश को ठंड से बचाने के लिए समुचित इंतजाम किए गए हैं। नगर पंचायत की कार्यकारी अधिकारी नीति त्रिपाठी और नगर पंचायत चेयरमैन के संयुक्त प्रयासों से गौशाला को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नियमित सफाई, देखरेख और व्यवस्था सुधार के स्पष्ट परिणाम अब सामने आने लगे हैं। वर्तमान समय में कान्हा गौशाला में कुल 137 गौवंश हैं। उनकी देखभाल के लिए दो मुख्य केयर टेकर सहित चार कर्मियों की तैनाती की गई है। सभी गौवंश को कान टैग लगाए गए हैं और उन्हें नियमित रूप से पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है इसके साथ ही गौशाला की लगातार निगरानी की जा रही है, जिससे किसी भी समस्या का समय रहते समाधान किया जा सके। नगर पंचायत की इस पहल से न केवल गौवंश को बेहतर जीवन मिल रहा है, बल्कि क्षेत्र में गौ संरक्षण को लेकर एक सकारात्मक संदेश भी जा रहा है। यह प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय हैं और अन्य नगर पंचायतों के लिए प्रेरणा बन सकते हैं।

सर्द हवा और कोहरा दे रहा आलू,लाही की फसल को तगड़ा झटका

» सिकुड़ रहीं फसलों की पत्तियां, कृषि वैज्ञानिक बता रहे उपाय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शीतलहर व कोहरे के कारण लाही आलू की फसल को भारी नुकसान हो रहा है। आलू की पती भी सिकुड़ रही है। जिससे आलू लाही की पैदावार कमजोर होने की संभावना बनती नजर आ रही है। हालांकि सर्दी व कोहरा पडने के कारण गेहूं की फसल को जरूर फायदा होगा ।

रसूलाबाद क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पिछली बारिश ज्यादा होने से जहां गेहूं की फसल देर से हुई है। वहीं लाही, चना,आलू पर ठंड और कोहरे का प्रकोप है। आलू की फसल में किसान दवा का भी छिडक़ाव कर रहे हैं और सिंचाई भी हो रही है। जिससे कोहरे और पाला के असर को कम किया जा सके। बारापुर, बिरहुन, मल्हपुर,पलिया बांस खेड़ा, बर्रा आदि गांवो के किसानों

ने बताया कि इस बार पिछली बारिश होने से धान की फसल को काफी नुकसान हुआ है। काफी जगह धान की फसल खेतों में ही पड़ी रही और कटिंग भी नहीं हो पाई। इसीलिए आलू की बुवाई भी देर से हुई। अब ठंड में कोहरा और पाला से उसको नुकसान हो रहा है। ऐसे में कृषि वैज्ञानिक फसल के बचाव करने के विभिन्न उपाय बता रहे हैं।

2 जनवरी से शुरू होगा सड़क फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने का अभियान

» एसडीएम ने नगर पालिका को अतिक्रमण हटाने के लिए अनाउंसमेंट करने के दिए निर्देश

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुखरायां कस्बा के नगर पालिका के सभागार में अतिक्रमण को लेकर व्यापार मण्डल की बैठक आयोजित किए गई। जहां पर अतिक्रमण हटाने के लिए व्यापारियों ने अलग अलग सुझाव दिए। एसडीएम सहित कई उच्च अधिकारियों ने अतिक्रमण पर अनाउंसमेंट कराकर सूचना देकर अभियान चलाकर कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए गए।

नगर पालिका के सभागार में सोमवार को अतिक्रमण को हटाने को लेकर व्यापार मण्डल की बैठक की गई। जहां पर एसडीएम देवेन्द्र सिंह,नायब तहसीलदार सूर्य प्रकाश सिंह, लेखपाल सचिन कटियार, सीओ संजय वर्मा,कोतवाल अमरेन्द्र बहादुर सिंह पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि करुणा शंकर दिवाकर सहित अधिशासी अभियंता अजय कुमार, पीडब्ल्यूडी के आशीष कुमार आदि अफसरों ने व्यापारियों की बातें सुनीं। वहीं व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष अनुभव अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी कस्बा के मुख्य मार्ग के दोनों तरफ फुटपाथ पर दुकानदारों के द्वारा दुकान का समान फुटपाथ पर बढ़ाकर लगाए गए अतिक्रमण का हाल देखा। ई रिक्शा निकलने से अतिक्रमण होने से ज्यादातर मंडी मोड़,नगर पालिका मोड़,रेलवे स्टेशन तिराहे और नेतराम गली मोड़ पर जाम की स्थिति बनी रहती हैं। जिलाध्यक्ष अनुभव अग्रवाल,महामंत्री ध्रुव ओमर,रिंकू बाजपेई, प्रमोद उर्फ काला ठाकुर,शानू वर्मा आदि व्यापारियों ने मुख्य मार्ग से अतिक्रमण हटाने के लिए अलग अलग सुझाव दिए। वही पर एसडीएम देवेन्द्र सिंह ने पूरा हाल देखने के बाद कहा कि,एक बार नगर पालिका की ओर से अतिक्रमण हटाने को लेकर अनाउंसमेंट कराकर सूचना दी जाए। 2 जनवरी 2026 से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जाएगा। नायब तहसीलदार सूर्य प्रकाश,सीओ संजय वर्मा पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि करुणा शंकर दिवाकर, अधिशासी अधिकारी अजय कुमार ,कोतवाल अमरेन्द्र बहादुर सिंह,चौकी इंचार्ज अमरेन्द्र प्रताप सिंह,लेखपाल सचिन कटियार आदि लोग मौजूद रहे हैं इस पर कन्हैया गुप्ता,शैलेन्द्र द्विवेदी,शानू वर्मा,ऋषि गोयल,दीपक यादव,निखिल आर्य,नफीस अहमद, सिद्धार्थ आदि व्यापारी मौजूद रहे।

जिला पंचायत सदस्य सीमा संखवार ने मरीजों को बांटे कंबल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला पंचायत सदस्य सीमा संखवार ने जिला अस्पताल माती पहुंच कर मरीजों को कंबल वितरित किए। यह पहल कड़ाके की ठंड से मरीजों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है। इस दौरान उन्होंने मरीजों का हालचाल जाना तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होनें आर्थिक रूप से सम्पन्न तथा समाजसेवी संस्थाओं से भी इस नेक काम में बढ़ चढक़र हिस्सा लेने की अपील की। जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि मानव सेवा से बढक़र कोई दूसरा धर्म नहीं है। इसलिए हम सभी को मानव सेवा अवश्य ही करनी चाहिए। मरीजों और उनके तीमारदारों ने इस मानवीय पहल की प्रशंसा की। इस मौके पर चिकित्साधीक्षक डॉक्टर वंदना यादव,स्टाफ नर्स मंजू त्रिवेदी,वीरेंद्र यादव,राकेश गुप्ता ने भी मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

गेहूं के खेत में सिंचाई के दौरान ठंड लगने से किसान की मौत

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर निनाया गांव में गेहूं के खेत में पानी लगाने गए 36 वर्षीय किसान नरेन्द्र सिंह की ठंड लगने से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार रविवार को खेत में सिंचाई के दौरान अधिक ठंड लगने के बाद नरेन्द्र सिंह को अचानक सीने में तेज दर्द उठा। हालत बिगडऩे पर भाई गोविंद उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे,

जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दवाइयां दीं। दवा लेकर किसान घर लौट आए, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। शाम करीब चार बजे अचानक तबीयत और बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई।

अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना गजनेर पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जानकारी में ठंड लगने के बाद सीने में दर्द से मौत होना सामने आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

अमृत सरोवर घोटाले में जांच के घेरे में आ सकते ग्राम प्रधान और सचिव!

मनरेगा के तहत लगभग बारह लाख रुपये के भुगतान की जांच की मांग

टूटी पड़ी जली ओर अधूरी कार्य की फोटो

अधूरी इंटरलॉकिंग की फोटो

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। मलासा विकासखंड की ग्राम पंचायत किशोरपुर में अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत अनियमितताओं का भारी भ्रष्टाचार का मामला उजागर होगा।

ग्रामीणों के अनुसार अमृत सरोवर तालाब में इंटरलॉकिंग, रंग-रोगन, बेंच और लाइट आदि के नाम पर नरेगा योजना के तहत लगभग बारह लाख रुपये का भुगतान दिखाया गया, जबकि मौके पर कार्य अधूरा और क्षतिग्रस्त हालत में पाया गया। तालाब के आसपास लगी टूटी जली ओर अधूरा काम जिससे कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हुए हैं। इस मामले को लेकर लोगों ने उच्च अधिकारियों से भ्रष्टाचार की जांच की मांग की है। प्रशासनिक स्तर पर यह संकेत सूत्रों से मिले हैं कि यदि जांच में अनियमितता और सरकारी धन के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कदम से ग्राम पंचायतों में जवाबदेही और पारदर्शिता को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी मलासा संजय कनौजिया से संपर्क करने का दो बार प्रयास किया लेकिन संपर्क नहीं हो सका है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

अयोध्या में अस्पताल माफिया का नंगनाच
पत्रकारों पर संगठित हमला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में सच दिखाने की कीमत अब खून और डर से वसूली जा रही है। एक न्यूज़ चैनल की रिपोर्ट के बाद जब निर्मला हॉस्पिटल का लाइसेंस रद्द हुआ, तो कानून के सामने झुकने के बजाय अस्पताल माफिया पत्रकारों पर टूट पड़ा। न्यूज चैनल के कैमरामैन राजा और वाहन चालक मुकेश के साथ सरेआम मारपीट, कैमरा-माइक छीनना यह सब किसी तात्कालिक उकसावे का नहीं, बल्कि पूर्व नियोजित गुंडागर्दी का नतीजा है।

सीएमओ की कार्यवाही से बौखलाए निर्मला अस्पताल के संचालक का कारनामा
सीओ अयोध्या बोले, मामले के दोषी किसी भी हालत में बख्शे नहीं जाएंगे

मारपीट के बाद मेडिकल कराने पहुंचे पत्रकार

निर्मला हॉस्पिटल की ओटी सील

सूत्र बताते हैं कि डॉ. आरके बनोधा, उनकी पत्नी डॉ. रंजू बनोधा और 12-15 लोगों ने मिलकर अस्पताल परिसर को अखाड़ा बना दिया। यह वही अस्पताल है जिसका लाइसेंस प्रशासन पहले ही रद्द कर चुका है। सवाल यह नहीं कि हमला हुआ सवाल यह है कि लाइसेंस रद्द होने के बाद भी माफिया किस भरोसे इतना बेखौफ था? बता दे कि कैमरा छीनना सिर्फ उपकरणों की लूट नहीं यह जनता की आंखों पर पट्टी बांधने की साजिश है। जब पत्रकार प्रशासन की कार्रवाई की पड़ताल करने पहुंचे, तो उन्हें जवाब मिला—लाठी और मुक्कों से। इस मामले में कठोर धाराएं, तत्काल गिरफ्तारी और माफिया नेटवर्क की जड़ तक जांच अनिवार्य है।

घटना की सूचना मिलते ही सीओ अयोध्या आशुतोष त्रिपाठी और कोतवाल पंकज सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। पत्रकार की तहरीर लेकर आरोपियों के खिलाफ धर-पकड़ अभियान शुरू कर दिया गया है। सीओ ने स्पष्ट कहा कि दोषी किसी भी हालत में बख्शे नहीं जाएंगे।

पत्रकारो की मांग है कि पत्रकारों पर हमला करने वाले सभी नामजद व अज्ञात आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी हो। लाइसेंस रद्द अस्पताल के संचालन, फंडिंग और संरक्षण की उच्चस्तरीय जांच हो।

कवरेज के दौरान पत्रकारों की सुरक्षा के लिए जिला-स्तरीय एसओपी लागू हो।

पखवारे भर से जिले में ओवरडोज से महिला मरीज की मौत को लेकर चर्चा का विषय बने निर्मला हॉस्पिटल का मीडिया ट्रायल और कांग्रेस नेता शरद शुक्ला के आंदोलन के बाद हॉस्पिटल का लाइसेंस निरस्त होने को जहां पीड़ित परिवार और अभियान की जीत बताया जा रहा है।

वहीं उसी के बाद कवरेज करने गए पत्रकारो पर हुए इस हमले को कांग्रेस नेता शरद शुक्ला सहित जिले के पत्रकारो

और समाजसेवी संघटनों ने दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

मरीजों से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: सीएमओ

सीएमओ डॉ. सुशील बालियान ने स्पष्ट कहा कि मरीजों की जिंदगी के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निजी अस्पतालों को नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी है। वहीं, अस्पताल प्रबंधन और संबंधित डॉक्टर के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी बताई जा रही है।

संभल जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की पैमाइश शुरू

» भारी पुलिस फोर्स तैनात, इसी इलाके में हुई हिंसा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

संभल। जामा मस्जिद के पास कब्रिस्तान की पैमाइश शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने अवैध कब्जे हटाने के लिए कार्रवाई की तैयारी की है। मौके पर भारी पुलिस बल, आरआरएफ और पीएसी की तैनाती के साथ ड्रोन व सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। जामा मस्जिद के पास स्थित आठ बीघा कब्रिस्तान की पैमाइश की प्रक्रिया मंगलवार को शुरू कर दी गई है। मौके पर किसी भी तरह की अव्यवस्था से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पैमाइश के बाद कब्रिस्तान की भूमि पर पाए जाने वाले अवैध कब्जों को हटाया जाएगा।

इससे पहले सोमवार शाम को प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने इलाके में पैदल मार्च कर हालात का जायजा लिया। एएसपी उत्तरी कुलदीप कुमार सिंह, एसडीएम रामानुज और सीओ आलोक भाटी ने आरआरएफ, पीएसी और पुलिस बल के साथ सत्यव्रत पुलिस चौकी से पैदल मार्च शुरू किया।

अधिकारियों ने पैमाइश स्थल से लेकर जामा मस्जिद क्षेत्र और आसपास के मुख्य बाजार तक भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। प्रशासन ने इलाके की निगरानी के लिए सीसीटीवी कंट्रोल रूम के साथ ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया।

एसडीएम ने बताया कि जिन लोगों की दुकानें कब्रिस्तान के आसपास हैं उन्हें पहले ही बैठक बुलाकर पैमाइश की जानकारी दे दी गई थी। पैमाइश का कार्य लेखपालों की टीम द्वारा किया जा रहा है। एसपी ने बताया कि पैमाइश के लिए चार कानूनगो और 22 लेखपालों की टीम गठित की गई है तहसीलदार को टीम का प्रभारी बनाया गया है। तीन तहसीलदारों को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। एएसपी ने बताया कि कब्रिस्तान की भूमि की नाप-जोख के दौरान आठ प्रभारी निरीक्षक, आरआरएफ और पीएसी को तैनात किया गया है। पूरे क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

मथुरा में सनी लियोनी का कार्यक्रम रद्द...संतों के विरोध के बाद फैसला, नव वर्ष पर होटल में था आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मथुरा। फिल्म अभिनेत्री सनी लियोनी के मथुरा में होने वाले कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। नव वर्ष पर मथुरा के एक होटल में अभिनेत्री का कार्यक्रम प्रस्तावित था। संतों ने इसका विरोध किया था।

फिल्म अभिनेत्री सनी लियोनी का मथुरा दौरा रद्द हो गया है। अभिनेत्री का एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करने का दौरा प्रस्तावित था, लेकिन साधु-संतों के विरोध के बाद होटल संचालक ने कार्यक्रम रद्द कर दिया। दिनेश फलाहारी महाराज ने डीएम को पत्र भी लिखा था। उन्होंने इस कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग की की थी। कहा कि धर्म नगरी को हम कलंकित नहीं होने देंगे। यहां पर फूहड़ता और अश्लीलता परोसने की तैयारी हो रही है। कुछ लोग कृष्ण की नगरी को साजिश के तहत बदनाम करना चाहते हैं।

इसी तरह विरोध बढ़ने के बाद आयोजक मितुल पाठक ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कार्यक्रम रद्द होने की सूचना दी है। इसके बाद साधु-संतों का विरोध शांत हुआ।

बीता कल

अलविदा 2025

नए साल में क्या होने वाले हैं बदलाव !

कुछ काम ऐसे हैं, जिसको निपटाने का आखिरी मौका 31 दिसंबर तक है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।नए साल शुरू होने में 2 दिन बचे हैं। नए साल से कई बड़े बदलाव होने की संभावना है। नए साल जनवरी से कारें महंगी हो रही हैं और स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की ब्याज दरें घट सकती हैं। वहीं, कुछ काम ऐसे हैं, जिसको निपटाने का आखिरी मौका 31 दिसंबर तक है। ऐसे में आइए जानते हैं किन-किन कामों को 31 दिसंबर से पहले निपटाना जरूरी है।

1 जनवरी से मारुति, टाटा, स्कोडा और हुंडई जैसी कंपनियों की कारें महंगी हो सकती है। MG ने दाम बढ़ाने की घोषणा भी कर दी है। BMW ने कीमत 2-3प्रतिशत तक बढ़ाने का ऐलान किया है। वहीं, बाकी कंपनियां भी जल्द ही बढ़ाने की घोषणा कर सकती हैं।

31 दिसंबर तक स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरों में कटौती की घोषणा हो सकती है। इसमें कुल 11 स्कीम्स शामिल है। RBI ने 5 दिसंबर को रेपो रेट 0.25प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया था, जिस वजह से इन स्कीम्स की ब्याज दर घटने का अनुमान है। इससे फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) और छोटी बचत योजनाओं की दरें कम हो सकती हैं।

जिन न लोगों का आधार कार्ड 1 अक्टूबर 2024 या उससे पहले बना है, वे 31 दिसंबर से पहले पैन के साथ लिंक करवा लें। वरना आपका इनएक्टिव यानी बंद हो सकता है। पैन कार्ड इनएक्टिव होने से आप न तो इनकम टैक्स रिटर्न (ढ्ढअक्र) भर पाएंगे, न पेंडिंग रिफंड ले पाएंगे। इसके अलावा बैंक अकाउंट या म्यूचुअल फंड से जुड़े कामों में भी दिक्कत आएगी।

अगर आपने अभी तक वित्त वर्ष 2024-25 का इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल नहीं किया है तो लेट फीस के साथ 31 दिसंबर 2025 फाइल कर सकते हैं। ऐसा न करने पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट आप पर जुर्माना भी लगा सकता है। टैक्स एक्सपर्ट चार्टर्ड अकाउंटेंट (C) आनंद जैन के अनुसार, 31 दिसंबर के बाद ITR फाइल करने पर आपका रिफंड (वापस मिलने वाला पैसा) क्लेम नहीं होगा। रिफंड का पैसा सरकार के पास चला जाएगा।

माघ मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा में नहीं होगी कोई चूक: सीपी जोगेंद्र कुमार

प्रत्येक चौराहे व तिराहे एवं सभी ड्यूटी पॉइंट्स पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती होगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। मंडलायुक्त एवं पुलिस आयुक्त की संयुक्त अध्यक्षता में रिज़र्व पुलिस लाइन्स माघ मेला स्थित तीर्थराज सभागार में माघ मेला वर्ष-2026 की तैयारियों के दृष्टिगत पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का ब्रीफिंग कार्यक्रम तथा माघ मेला क्षेत्र का पैदल भ्रमण व भौतिक रूप से निरीक्षण किया गया।तेजतर्रार पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने पुलिस बल को संबोधित करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक नहीं होनी चाहिए। कोई भी लापरवाही सामने नहीं आनी चाहिए।

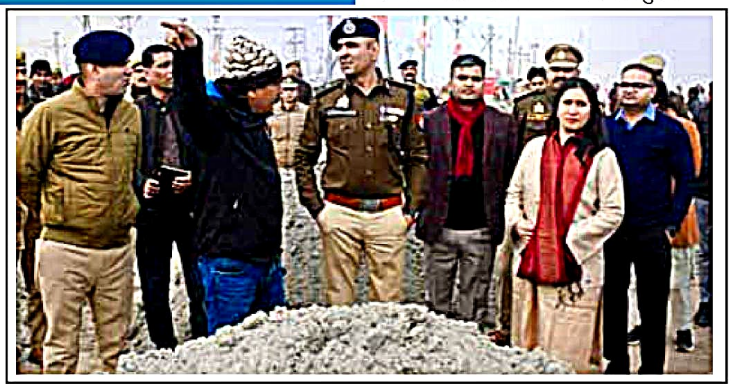

माघ मेला के दौरान भीड़ प्रबंधन एवं आपातकालीन योजनाओं का त्वरित,समन्वित एवं प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक होती है इसी लिए आपात स्थिति उत्पन्न होने पर कम से कम समय में निकासी क्षमता को कई गुना बढ़ाने की तैयारी हर स्तर पर सुनिश्चित की जाए।

प्रत्येक चौराहे व तिराहे एवं सभी ड्यूटी पॉइंट्स पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रहे तथा कंट्रोल रूम से निर्देश प्राप्त होते ही बिना किसी विलंब के योजनाओं एवं निर्देशों को तत्काल लागू किया जाए।मेला क्षेत्र के प्रवेश मार्गों एवं सभी घाटों पर निरंतर गश्त एवं चेकिंग करते रहें।घाटों पर अतिक्रमण एवं अव्यवस्था न होने पाये तथा श्रद्धालुओं को घाटों पर रुकने अथवा सोने से रोका जाए और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें निर्धारित विश्राम स्थलों तथा शिविरों की ओर प्रतिस्थापित किया जाये।मेले में किसी प्रकार की हुड़दंगबाजी न हो,इसके लिए भी विशेष रूप से ध्यान दिया जाये।सभी सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से सतर्क रहे और मेले में संदिग्धों पर नजर रखें।गोताखोरों द्वारा भी विशेष ध्यान रखा जाए।गहरे जल में संकेतक लगाएं।बताते चलें कि सोमवार को पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार द्वारा ब्रीफिंग के उपरान्त माघ मेला क्षेत्र के प्रमुख रास्तों और घाटों व महत्वपूर्ण स्थलों का पैदल भ्रमण करते हुये धरातलीय रूप से सूक्षण निरीक्षण किया तथा अवलोकन किया और संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए।कई घंटे तक निरीक्षण करने के बाद वे यहां से रवाना हुए। इस दौरान जिलाधिकारी मनीष वर्मा,अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था डॉ0अजय पाल शर्मा,पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज कुमार पाण्डेय,पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार,पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव,पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप गुनावत,सहायक नोडल पुलिस अधिकारी माघ मेला विजय आनन्द व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

संवेदनशील प्रशासन की जमीन पर उतरती मिसाल

जब अफसर जनता के साथ खड़े दिखे

सत्ता नहीं, संवेदना का स्वराज होना चाहिए: एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी

समीर शाही स्वराज इंडिया ब्यूरो

अयोध्या। स्वराज का अर्थ केवल राजनीतिक सत्ता का हस्तांतरण नहीं, बल्कि शासन की आत्मा का जनता के दुखड़ूदर्द से जुड़ना है। रामनगरी अयोध्या में तैनात एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी इसी विचार के जीवंत उदाहरण बनकर सामने आते हैं जहाँ वर्दी सत्ता का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा और संवेदना की पहचान बनती है।

स्वराज इंडिया विशेष

आज का प्रशासनिक ढांचा अक्सर दूरी, औपचारिकता और अहंकार से घिरा दिखाई देता है। आम नागरिक के लिए अफ़सर का दरवाज़ा कठिन, संवाद बोझिल और समाधान अनिश्चित हो गया है। लेकिन एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने इस परंपरागत सोच को चुनौती दी है। उनकी कार्यशैली यह साबित करती है कि लोकतंत्र तब मजबूत होता है, जब अफ़सर जनता के बीच खड़ा दिखाई दे, ऊपर नहीं। अयोध्या में आम लोगों के बीच यह धारणा बन चुकी है कि कोई भी समस्या हो निराशा, अन्याय या पीड़ा, एसपी ग्रामीण का कार्यालय अंतिम उम्मीद बन सकता है। उनकी विशेषता यह है कि वे शिकायत को सिर्फ फाइल नहीं मानते, बल्कि व्यक्ति की परिस्थिति को समझने की कोशिश करते हैं।

14 कोसी परिक्रमा के दौरान एक असहाय माता की मदद का प्रसंग केवल एक घटना नहीं, बल्कि प्रशासन के मानवीय चेहरे का प्रतीक है। जब धार्मिक, सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्थाएँ भीड़ में उलझ जाती हैं, तब एक अफ़सर का रुककर मदद करना यह संदेश देता है कि राज्य अभी भी नागरिक के साथ है।

लोकतंत्र में मीडिया और प्रशासन दोनों ही जनता के प्रति जवाबदेह हैं। लेकिन व्यवहार में यह रिश्ता अक्सर औपचारिक और एकतरफा रह जाता है। 29 दिसंबर 2025 को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में एक अलग दृश्य सामने आया, जिसने इस संबंध को नया अर्थ दिया। जहां आमतौर पर पत्रकार अफ़सरों के साथ फोटो खिंचवाने की कोशिश करते हैं, वहीं इस बार एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने स्वयं कहा आज हम सभी पत्रकार साथियों के साथ एक फोटो खिंचवाना चाहते हैं, जो यादगार हो। यह क्षण प्रतीकात्मक था। यह दिखाता है कि सत्ता संवाद से डरती नहीं, बल्कि उसे अपनाती है। यही स्वराज की आत्मा है बराबरी, सम्मान और पारदर्शिता।

जहरखुरानी गैंग ध्वस्त

फाइनेंस ठगी का भी खुलासा

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर की सख्ती, एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी की रणनीति से अपराधियों पर शिकंजा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देशों पर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अयोध्या पुलिस ने एक के बाद एक दो बड़ी आपराधिक घटनाओं का सफल अनावरण कर अपराधियों पर करारा प्रहार किया है। एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी की प्रभावी निगरानी में पुलिस टीमों ने जहरखुरानी कर कार लूटने वाले अंतरजनपदीय गिरोह को धर दबोचा, वहीं फाइनेंस के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले शातिर को भी गिरफ्तार किया है।

पहले मामले में थाना रौनाही क्षेत्र में जहरखुरानी कर चार पहिया वाहन लूटने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। 19 दिसंबर 2025 को कैसरबाग, लखनऊ से अयोध्या आ रही स्विफ्ट डिजायर कार के चालक को नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर कार व मोबाइल लूट लिए गए थे।

एसओजी, सर्विलांस और थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सुलतानपुर के सूरज गुप्ता उर्फ लवकुश, सत्यम तिवारी उर्फ कल्लू, शक्ति सिंह उर्फ शाका और आदर्श सिंह उर्फ आकाश सिंह को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से स्विफ्ट डिजायर कार, सात मोबाइल फोन और लोराजेपाम टैबलेट बरामद हुई।वहीं दूसरे मामले में थाना इनायतनगर पुलिस ने धोखाधड़ी के एक प्रकरण में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया। 1 सितंबर 2025 को ग्राम सेवरा मोड़ क्षेत्र में अभियुक्त ने खुद को फाइनेंस कंपनी का एरिया मैनेजर बताकर ट्रैक्टर दिलाने के नाम पर अनिल कुमार से 2.80 लाख रुपये ठग लिए थे। साइबर सेल, सर्विलांस और एंटीथेफ्ट टीम की मदद से चन्द्रप्रकाश वर्मा उर्फ गुड्डू वर्मा उर्फ संजय (निवासी पतुलकी, थाना दरियाबाद, बाराबंकी) को गिरफ्तार किया गया।

उसके कब्जे से मोबाइल फोन, 4 हजार रुपये नकद, एक मोटरसाइकिल तथा बैंक खातों में 88,439 रुपये की राशि लीन-होल्ड कराई गई। पूछताछ में सामने आया कि अभियुक्त सोशल मीडिया के जरिए वाहन खरीद-फरोख्त करने वालों को निशाना बनाता था। दोनों ही मामलों में अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय भेजा गया है। पुलिस की इन त्वरित और सटीक कार्रवाइयों से साफ है कि डॉ. गौरव ग्रोवर की कड़ी कमान और एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी की रणनीतिक निगरानी में अयोध्या पुलिस अपराधियों के लिए लगातार शिकंजा कस रही है।

आरती घाट के पास सरयू में उड़ेला जा रहा शौचालयों का मलबा

» रामनगरी में सीवेज निस्तारण के दावों की खुली पोल, सोशल मीडिया पर सच आया तो मचा हड़कंप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिस सरयू के एक-एक कण को सनातन परंपरा में मोक्षदायिनी माना गया, जिस मां सरयू के तट पर प्रभु श्रीराम ने बाल लीला रची, उसी परम पवित्र नदी को आज नगर निगम अयोध्या खुलेआम शौचालयों के मल से अपवित्र कर रहा है। यह कोई आरोप नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और वीडियो में कैद वह सच है जिसने रामनगरी को झकझोर दिया है। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो, फोटो की पुष्टि नहीं करता है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के वार्षिकोत्सव के बीच, जब लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से अयोध्या पहुंच रहे हैं, जब देश के रक्षामंत्री बुधवार को स्वयं रामलला के दर्शन को आ रहे हैं, ठीक उसी समय सरयू आरती घाट के बगल से शौचालयों का मलवा उठाकर बस अड्डे के सामने सरयू नदी में उड़ेला जा रहा है। इस घिनौने कृत्य का पर्दाफाश किया है समाजसेवी रितेश मिश्रा ने, जिन्होंने सोमवार को फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर जारी कर नगर निगम, महापौर और नगर आयुक्त से भावुक अपील की मां सरयू को गंदगी से बचा लीजिए, यह आस्था और संस्कृति पर हमला है। उनकी पोस्ट के वायरल होते ही नगर निगम में हड़कंप मच गया। सवाल उठने लगे क्या यही है रामनगरी का स्वच्छता मॉडल? क्या यही वह अयोध्या है, जिसे विश्व पटल पर आध्यात्मिक राजधानी के रूप में पेश किया जा रहा है? करोड़ों के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट फिर यह मल सरयू में क्यों? शासन-प्रशासन हर मंच से दावा करता है कि करोड़ों रुपये के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए गए हैं। सरयू की पवित्रता और अविरलता सर्वोच्च प्राथमिकता है। तो फिर सवाल सीधा है—अगर एसटीपी काम कर रहे हैं, तो शौचालयों का मल सीधे सरयू में क्यों डाला जा रहा है? अगर नहीं कर रहे, तो उन करोड़ों का हिसाब कौन देगा? यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था, पर्यावरण और कानून तीनों का खुला उल्लंघन है।

गौरतलब हो कि एक दिन पहले ही प्रदेश भर के मेयर अयोध्या में नवाचार और स्वच्छता सीखने आए थे, और अगले ही दिन सरयू में मलवा डालने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आ गईं। यह फर्क बताता है कि फाइलों में अयोध्या चमक रही है, लेकिन ज़मीन पर मां सरयू सिसक रही है। अयोध्या की जनता का सीधा सवाल है क्या नगर निगम जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल आपराधिक कार्रवाई करेगा? क्या इस कृत्य को पर्यावरण अपराध मानकर मुकदमा दर्ज होगा?

गाजियाबाद में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का रास्ता साफ

यूपीसीए के रफ मानचित्र पर जीडीए की सहमति, जल्द होगा नक्शा पास

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम निर्माण का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) द्वारा तैयार किए गए स्टेडियम के रफ मानचित्र ड्राफ्ट को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सहमति दे दी है। जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल की अध्यक्षता में हुई संयुक्त बैठक में परियोजना की सभी तकनीकी व प्रशासनिक बाधाओं को दूर कर दिया गया।

अब यूपीसीए स्टेडियम का नक्शा स्वीकृति के लिए औपचारिक आवेदन करेगा।बैठक में भू-अर्जन, इंजीनियरिंग, नियोजन व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। स्टेडियम का रफ लेआउट प्रेजेंटेशन दिया गया, जिसे नियोजन विभाग ने सकारात्मक राय के साथ मंजूरी दे दी। अनुमान है कि लगभग दस दिन बाद फिर बैठक होगी, जिसमें फाइनल मानचित्र रखा जाएगा। सहमति मिलने पर यूपीसीए नक्शा पास कराने के लिए तत्काल ऑनलाइन आवेदन करेगा। जीडीए ने ग्राम सभा की जमीन के अधिग्रहण तथा संबंधित प्रक्रियाओं को तेज करने के निर्देश भी दे दिए हैं। राजनगर एक्सटेंशन स्थित मोरटी में लगभग 31 एकड़ भूमि पर यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाया जाएगा। 2014 से अटकी परियोजना एफएआर विवाद, भूमि उपयोग तथा अधिग्रहण संबंधी अड़चनों के कारण आगे नहीं बढ़ पा रही थी, जो अब दूर हो गई हैं। स्टेडियम पीपीपी मॉडल पर तैयार होगा और जल्द ही जीडीए व यूपीसीए के बीच एमओयू होने की संभावना है। माना जा रहा है कि नई व्यवस्था के तहत जीडीए जमीन कन्वर्जन चार्ज भी माफ कर सकता है।

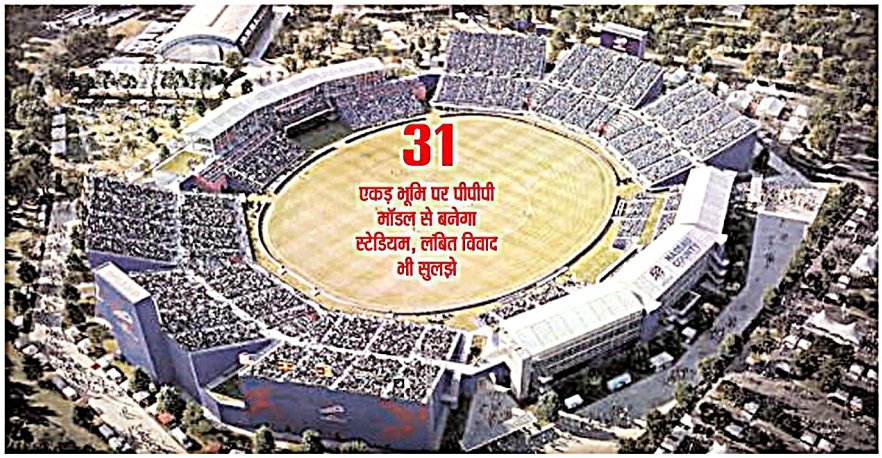

ठंड के कहर से होगी नए साल की शुरुआत

37 जिलों में घना कोहरा, शीत दिवस की चेतावनी

30 31 दिसंबर और 1 जनवरी के लिए ऑरेंज अलर्ट

मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

लखनऊ। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश में अगले तीन दिन ठंड और कोहरे का संकटकाल घोषित करते हुए बड़ा अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 30 दिसंबर, 31 दिसंबर और 1 जनवरी तक राज्य के 37 जिलों में घने से अति घने कोहरे के चलते ऑरेंज अलर्ट लागू रहेगा। कई जगह दृश्यता बेहद कम होने और जनजीवन प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।

मौसम विभाग ने खासतौर पर प्रयागराज, वाराणसी, भदोही, बहराइच, सीतापुर, हरदोई, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अयोध्या और आसपास के इलाकों में शीत दिवस की चेतावनी जारी की है। वहीं अन्य जिलों में शीतलहर और घने कोहरे का असर नए साल तक बना रहने के संकेत मिले हैं।विशेषज्ञों ने लोगों से सुबह और देर रात यात्रा के दौरान सावधानी बरतने, वाहन धीमी गति से चलाने और जरूरी होने पर ही घर से निकलने की अपील की है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में ममता का चमत्कार नन्हीं हथिनी को मिली 'नई मां

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

पीलीभीत। पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) इन दिनों एक अनोखे और भावनात्मक संयोग का साक्षी बन रहा है। कर्नाटक से लाई गई हथिनी निसर्गा और बिजनौर से पहुंची 21 दिन की बेसहारा नन्हीं मादा हथिनी के बीच मां-बेटी जैसा रिश्ता पनपने लगा है। तराई के जंगल में पहली बार किसी नन्हीं हथिनी का बचपन आकार ले रहा है, जो पीटीआर के इतिहास में बेहद खास पल माना जा रहा है।3 दिसंबर को जैविक मां से बिछड़ने के बाद नन्हीं हथिनी बेहद असहाय थी। सरकार के निर्णय के बाद उसे पीलीभीत टाइगर रिजर्व लाया गया। जंगल का कठिन वातावरण उसके लिए चुनौती जरूर था, लेकिन अब निसर्गा का सानिध्य उसे सुरक्षित और स्नेह से भर रहा है। वन विभाग की योजना के तहत उसे धीरे-धीरे निसर्गा के करीब रखा जा रहा है ताकि दोनों के बीच भावनात्मक जुड़ाव मजबूत हो सके। शुरुआती संकेत बेहद सकारात्मक हैं। पहली मुलाकात में निसर्गा न तो आक्रामक हुई, न विचलित- बल्कि शांत भाव से नन्हीं हथिनी को निहारती रही, जिसे भावनात्मक स्वीकार्यता का संकेत माना जा रहा है।पीटीआर के डीएफओ मनीष सिंह के अनुसार, यदि

➪ **दक्षिण भारत से आई हथिनी निसर्गा ने दिखाई ममता, 21 दिन की बेसहारा नन्हीं हथिनी को अपनाने की शुरुआत**

निसर्गा और उसके साथ मौजूद हाथियों का कुनबा- छोटा सूर्या, बड़ा सूर्या और मणिकांत-इस नन्हीं हथिनी को पूरी तरह अपना लेता है, तो यह पीटीआर के लिए ऐतिहासिक सफलता होगी। इससे न सिर्फ हाथियों के संरक्षण प्रयासों को मजबूती मिलेगी, बल्कि वन्यजीव सुरक्षा का एक प्रेरक उदाहरण भी स्थापित होगा।फिलहाल नन्हीं हथिनी को कई लोग प्यार से अलग-अलग नामों से पुकार रहे हैं, लेकिन वन विभाग का फोकस उसके स्वास्थ्य और निसर्गा से जुड़ते रिश्ते पर है। प्रतिदिन करीब 17 लीटर दूध, नौ घंटे की नींद और सामान्य स्वास्थ्य पैरामीटर के साथ उसकी विशेष देखभाल की जा रही है। ठंड को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।तराई के जंगल में दक्षिण की ममता की छांव में पल रही यह नन्ही जिंदगी अगर पूरी तरह सुरक्षित हो गई, तो यह कहानी न सिर्फ पीलीभीत टाइगर रिजर्व बल्कि पूरे देश में संवेदनशील संरक्षण का प्रतीक बन जाएगी।